

प्राइमरी अस्पताल के साथ मिलकर इस रीग्रोरियेन्टेगन प्रोग्राम को लेना पड़ता है।

**श्रीमती कृष्णा साही :** अध्यक्ष महोदय, बिहार एक पिछड़ा प्रान्त है और वैसे तो देश की अधिकतर जनता गांवों में ही रहती है, लेकिन बिहार के पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए वहां की औसतन गरीब जनता को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं हो रही है। जो सेन्टर्स या सब-सेन्टर्स हैं उनकी वहां कमी है और जो हैं भी उनमें डाक्टर वहां नहीं जाते हैं और अगर डाक्टर हैं भी तो उनको आवास की सुविधा नहीं है इसलिये वहां रहते नहीं हैं, और डाक्टरों की कमी भी बहुत है। इसलिये मैं मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि बिहार को इस योजना के तहत कितनी राशि भारत सरकार ने आवंटित की है और क्या ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल वैन रखे हैं या देहातों में भी हैं? क्योंकि मंत्री महोदय ने बताया कि जिला अस्पताल और प्राइमरी सेन्टर्स दोनों मिलकर मोबाइल यूनिट वैन का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि यह मोबाइल वैन देहातों में नहीं जाते हैं, शहरों में ही रहते हैं। क्या मंत्री महोदय बता सकते हैं कि इसके बारे में उनको क्या प्रतिवेदन मिला है, बिहार से क्या रिपोर्ट प्राप्त हुई है? अगर सन् 1970 में यह स्कीम चालू हुई है, आपने लिखा कि 53 मैडिकल कालेज ने तैमाही प्रतिवेदन भेजे हैं, इसके पहले और भी रिपोर्ट्स आ होंगी, उसमें बिहार के बारे में क्या रिपोर्ट प्राप्त हुई है और ग्रामीण क्षेत्रों में कितनी संख्या इससे लाभान्वित हुई है?

**कुमारी कुमुदबेन एम. जोशी :** बिहार के 27 यूनिट्स को ये साधन दिये गये हैं और जो 53 इंस्टीट्यूट्स की रिपोर्ट आई है, उसमें

बिहार से कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। मिनिस्ट्री से और भी सरकारों को लिखा गया है कि वह रिपोर्ट दें। जब तक रिपोर्ट नहीं आती है, तब तक पता नहीं लगता है कि इसका कितना यूटिलाइजेशन हुआ है।

लोहे के लदान के लिए वंगनों के आबंटन में कटौती

+

\*741. श्री मोती भाई आर. चौधरी :  
श्री भीम सिंह :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेलवे ने लोहे के लदान के लिए वंगनों के आबंटन में कमी करने का निर्णय किया है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या कोयले के लदान को प्राथमिकता देने के लिये ऐसा किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो प्राथमिकता के आधार पर लोहे के लदान के सम्बन्ध में क्या स्थिति है?

THE MINISTER OF RAILWAYS  
(SHRI A. B. A. GHANI KHAN  
CHOUDHURY) : (a) No, Sir.

(b) to (d) Do not arise.

श्री मोती भाई आर. चौधरी : मैं जानना चाहता हूं कि पिछले 3 सालों में लोहे के लदान के लिये कितने वंगन आवंटित किये गये और

कोयले के लिये कितने वैगन आवंटित किये गये ?

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY : Mr. Speaker, Sir, the question is : Whether the Railways have decided to reduce the quantum of allotment of wagons for loading iron ? If so, the reasons therefor : Whether this has been done to accord the priority to coal loading ? If so, the position in regard to loading of iron on priority basis.

Sir, every year the target is put to us by the Planning Commission and we try to fulfil the target accordingly. So, the figure that I have is for this year about what we have been doing with regard to transportation of coal and with regard to transportation of steel. Apart from that the wagon that is required for coal transportation is quite different from the wagon that is required for transportation of steel and finished steel products. So, the question of reducing steel transportation cannot arise, because there are different types of wagons.

Now, the story is otherwise than what the Hon. Member has put in his question. In the year 1983-84, we could not fulfil the target that was fixed by the Planning Commission, because we did not get the anticipated offer from steel, iron and fertiliser. On the basis of the figures available with me, I may inform the Hon. Member that so far as steel is concerned, the stock of steel with the Steel Authority of India Limited, which was 15 lakh tonnes at the beginning of this year was reduced by over seven lakh tonnes at the close of the year. With regard to coal for transportation of coal, we have set a target of 106 million tonnes during 1984-85. The Coal Department wants us to carry 117 million tonnes. We are in dialogue with the Planning Commission saying that this cannot be done.

Mr. Speaker, Sir, now I have just got the figures. In 1982-83 the Railways carried 8.36 million tonnes of steel and in 1983-84 they carried 7.73 millions tonnes approximately. Last year's figure was low

because of low demand. That is what I was trying to impress upon you that there was no diversion of wagons from steel to coal even earlier.

श्री मोती भाई आर. चौधरी : लोहे के लिए जो वैगन दिए जाते हैं प्राथमिकता के आधार पर उनका कौन सा क्रम रहता है ? क्या इस क्रम में कोई परिवर्तन किया गया है ? क्या इसको पीछे ले लिया गया है ?

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने कहा है कि इसमें कोई अन्तर नहीं पड़ा है ।

श्री मोती भाई आर. चौधरी : क्रम क्या है, इसका जवाब उन्होंने नहीं दिया है ।

अध्यक्ष महोदय : इसकी आवश्यकता नहीं है ।

SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY : Mr. Speaker, Sir, the priority is given by the Infrastructure Committee of the Cabinet and according to the Planning Commission the priority is given to the core sector and the core sector means, as you know, iron and steel, the core sector means coal, the core sector means cement and the core sector means fertiliser.

स्थापना (एस्टब्लिशमेंट) तथा जनता के सम्पर्क में आने वाले अनुभागों में लम्बे समय से काम करने वाले कर्मचारियों का स्थानान्तरण

\*744. श्री आर. एन. राकेश : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे बोर्ड की स्थापना तथा जनता के सम्पर्क में आने वाले